**स्मारकों के संरक्षण हेतु विदेशी सहायता**

3187. **श्री अजीत जोगी:**
**श्रीमती वीणा वर्मा:**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रत्येक राज्य में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कलात्मक महत्व के उन स्थलों के नाम क्या-क्या हैं जो केन्द्रीय सरकार के संरक्षण में है तथा जिनकी भव्यता और मौलिकता आस-पास के क्षेत्रों में स्थित कारखानों और उद्योगों से निकलने वाले धुंए के कारण नष्ट हो रही है।

(ख) क्या सरकार ने इन स्थलों के संरक्षण हेतु कोई विदेशी सहायता मांगी है;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में विशेषतः आगरा में ताजमहल के बारे में ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने ऐतिहासिक स्थलों विशेषतः ताजमहल के अपक्षय को बचाने के लिए नए वैज्ञानिक और अत्याधुनिक उपायों का पता लगाने हेतु कोई कदम उठाए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री एस॰ आर॰ बोम्मई):** (क) सूचना राज्य सभा के पटल पर रख दी जायेगी।

(ख) और (ग) आगरा-मथुरा तथा ताजमहल के आस-पास के क्षेत्रों का समान पर्यावर्णीय सुधार एवं स्थाई विकास के लिए तकनीकी सहायता हेतु एशियाई विकास बैंक ने दो अनुदान सहायता प्रदान करने के लिए एक स्कीम भेजी है, जो विचाराधीन है।

(घ) और (ङ) उन्नत मानक उपकरणों का प्रयोग करके आगरा स्थित ताजमहल के वायु-प्रदूषण संबंधी किए गए निरीक्षण के आधार पर अनेक अध्ययन किए गए हैं और निम्नलिखित स्मारकों की संगमरमर-पट्टियों की परत पर वायु-प्रदूषण के प्रभाव का आंकलन करने के लिए रिपोर्टें तैयार की गई हैं:—

1. आगरा स्थित ताजमहल पर जमीं धूल, निलंबित विविक्त पदार्थ (एस पी एम) तथा सल्फरडाइऑक्साइड स्तरों की जांच करना।

2 इसके अतिरिक्त उन विषयों, जिन पर हाल ही के वर्षों में वैज्ञानिक अध्ययन किए गए हैं, के ब्यौरे निम्नलिखित हैं:—

(क) ताजमहल पर धूल-प्रदूषण।

(ख) भौतिक जड़ाऊ प्रस्तर कार्य का तापीय फैलाव एवं मौसम संबंधी व्यवहार।

(ग) ताजमहल की वायु-धनत्व संबंधी निगरानी।

(घ) ताजमहल की संगमरमर की ऊपरी परत के रासायनिक उपचार की भौतिक एवं रासायनिक आवश्यकता तथा विभिन्न उपचार विधियों का आंकलन करना।

(ङ) भवन-डिजाइन एवं क्रियाशील पर्यावरण के कार्य के रूप में भारतीय स्मारकों में प्रस्तरों के संरक्षण संबंधी समस्याएं।

(च) आगरा स्थित स्मारकों के मामले में सहक्रियात्मक मानव-तत्व।

(छ) संगमरमर की चमक को बनाए रखने के लिए काई आदि की सफाई करने हेतु ऑक्सेलिक अम्ल का प्रयोग करना।

**Promotion of lecturers in Central Hindi Institute, Agra**

3188. SHRI PARAG CHALIHA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the reasons for delay in processing the cases for placement of eligible lecturers of Central Hindi Institute, Agra in senior scale;

(b) the number of meetings held since 31st March, 1995, for the purpose;

(c) the reasons for which the direction given by the then Minister-cum-Chairman to that effect in March/April, 1994, and again on 31st March, 1995, have not been implemented; and

(d) the details of officers of the Minis-ery and Institute found guilty for noncompliance?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPTT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) to (d) The Committee